A–0636

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVK-102

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप, नित्यकर्म व देवपूजन

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उपनयन संस्कार के महत्व को लिखिए।

2. नित्यकर्म से क्या अभिप्राय है ? विस्तार पूर्वक लिखिए।

3. त्रिकाल सन्ध्या का विधान एवं महत्व को लिखिए।

4. गौरी–गणपति पूजन का विधान लिखिए।

5. षोडष मातृका पूजन विधि को सविस्तार से लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सत्यनारायण पूजन विधि को लिखिए।

2. गणेश जी के स्त्रोत्र पाठ एवं वन्दना को लिखिए।

3. दुर्गा जी के स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. पूजा में प्रयुक्त प्रमुख पूजन सामग्रियों का उल्लेख कीजिए।

5. संकल्प का महत्व विस्तारपूर्वक लिखिए।

6. षोडशमातृका से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

7. श्री सूक्त पाठ लिखते हुए इसके फल का भी उल्लेख कीजिए।

8. पूजनकर्म का उल्लेख कीजिए।

****